Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya, Khairagarh, Chhattisgarh 491881

Department of English

Syllabus for Annual Course under CBCS Pattern

B.P.A. / B.F.A II Year
ENGLISH LANGUAGE AND COMMUNICATION SKILLS

B.P.A. / B.F.A II Year
ENGLISH LANGUAGE AND COMMUNICATION SKILLS

Course Outcome

This career oriented course is offered to the students of BPA/ BFA studying in II year. The course duly emphasizes upon the skills of listening, speaking, reading and writing that enables the students to develop an overall understanding of practices of English language and communication skills. The course has been interlinked with the language lab facility available in the department that lets the student practice the skills being taught in classroom. It is expected that the course will cater the needs of professional requirements of students in their future career.

B.PA. / B.F.A. II Year
FOUNDATION COURSE
ENGLISH LANGUAGE AND COMMUNICATION SKILLS

Credit – 02 **M.M. 100** **Internal Marks: 30** **External Marks: 70**

UNIT I	Short answer questions (6 short answer questions of 5 mark each FROM Unit- I, II, III, VI).	30	**40 MARKS**
	10 Objective type questions from prescribed chapters	10	
UNIT II	Unseen Passage/ Summary Paraphrasing or Translation passage (Hindi to English or Vice versa)		**10 MARKS**
UNIT III	Email Writing Letter + Resume Book / Film Review	05 10 05	**20 MARKS**

The question paper for BPA/BFA II Year English Language shall comprise the following units:

UNIT I

Introduction:

- Communication Skills
- Theory of Communication
- Types and modes of Communication
- Effective Communication/ Mis- Communication
- Barriers and Strategies
- Pronunciation

UNIT II

Language of Communication:

- Verbal and Non-verbal (Spoken and Written)
- Personal, Social and Business
- Intra-personal, Inter-personal and Group communication

UNIT III

Speaking Skills:

- Dialogue
- Group Discussion
- Interview
- Public Speech
- Role Play/Extempore Presentation

UNIT 1V

Reading and Understanding:

- Close Reading
- Comprehension, Analysis and Interpretation
- Summary Paraphrasing
- Translation (from Indian language to English and vice-versa)
- Literary/Knowledge Texts

UNIT V

Writing Skills

- Effective Writing
- Email Etiquettes and Writing
- Resume Writing
- Letter Writing Skills
- Book Review/ Film Review

UNIT VI

Soft Skills and Situational English:

- Greeting and Meeting People, etc.
- Personal Appearance and Hygiene
- Telephone Etiquettes
- Time Management
- Interview Skills
- Preparing Power Point Presentation and presentation Skills
- At Bank
- At Post office
- At Airport
- At Restaurant

स्नातक पाठ्यक्रम - बी.पी.ए. (मुख्य विषय)

उद्देश्य:-

1. **विद्यार्थियों की प्रतिभा के अनुरूप उनमें स्तरीय प्रदर्शनात्मक प्रवीणता का संचार करना |**
2. **विद्यार्थियों को भारतीय संगीत के इतिहास एवं शास्त्र पक्ष से अवगत कराते हुए प्रेरणास्वरूप उच्चकोटि के विभिन्न कलाकारों के योगदान से परिचित कराना |**
3. **विद्यार्थियों को गायन/वादन के प्रयोग पक्ष को लेकर उनकी सर्जनात्मक क्षमता को पुष्ट करना |**
4. **संगीत संबंधी शोध के विभिन्न प्रारम्भिक पहलुओं से विद्यार्थियों को अवगत कराना |**
5. **विद्यार्थियों में मंचीय कला की अभिव्यक्ति विकसित करते हुए उन्हें मंचीय प्रस्तुति एवं संगीत की क्रमश उच्चस्तरीय साधना की ओर उन्मुख करना और उनके भीतर के कलाकार संपुष्ट करना |**
6. **विद्यार्थियों में भारतीय संगीत एवं संस्कृति का सम्प्रेषण करते हए संवर्धन करना |**

बी.पी.ए. प्रथम वर्ष

(मुख्य विषय - गायन/ स्वर वाद्य)

कोर्स 1- संगीतशास्त्र

Course Code- BMV/BMS- 101

क्रेडिट-04
पूर्णांक : 100

बाह्य मूल्यांकन **- पूर्णांक : 70, उत्तीर्णांक : 25**
आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक : 30, उत्तीर्णांक : 11

इकाई 1- संगीत, नाद, श्रुति, स्वर (शुद्ध, विकृत, चल, अचल), सप्तक (मंद्र, मध्य, तार), वर्ण, अलंकार (पल्टा), बोल (मिज़राब/जवा के बोल) प्रहार (आकर्ष, अपकर्ष) की जानकारी। आश्रयराग, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, वर्जित स्वर, आरोह-अवरोह, रागस्वरूप (पकड़), राग की जाति (औडव, षाडव व सम्पूर्ण) का अध्ययन। अष्टक, पूर्वांग, उत्तरांग, आलाप, तान, की जानकारी।

इकाई 2- बाईस श्रुतियों में वर्तमान सप्तक की स्वर स्थापना। स्थायी, अन्तरा, संचारी, आभोग का परिचय। राग एवं थाट की परिभाषा तथा उनका तुलनात्मक अध्ययन। दस थाटों के नाम व स्वर।

इकाई 3- शास्त्रीय संगीत, शास्त्रीय संगीत सुगम संगीत, चित्रपट संगीत, और लोक संगीत की संक्षिप्त जानकारी। ख्याल, लक्षणगीत, स्वरमालिका व रज़ाखानी गत का परिचय। छत्तीसगढ़ के सोहर गीत, विवाह गीत तथा सुआ गीत का सामान्य परिचय |

इकाई 4- गायन के परीक्षार्थियों के लिए तानपूरा तथा वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए अपने-अपने वाद्य का सामान्य परिचय तथा उनके विभिन्न अवयवों का सचित्र ज्ञान एवं उनके तारों को विभिन्न स्वरों में मिलाने की जानकारी।

इकाई 5- पंडित विष्णु दिगम्बर पलुस्कर, पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे, अमीर खुसरो, मानसिंह तोमर, स्वामी हरिदास एवं तानसेन का जीवन परिचय तथा संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान। छत्तीसगढ़ के लोक कलाकारों – श्रीमती तीजन बाई एवं श्री देवदास बंजारे का जीवन परिचय तथा लोकसंगीत के क्षेत्र में उनका योगदान |

संदर्भ ग्रन्थ :

1. संगीतांजलि भाग 1 एवं भाग 2 - पं. ओमकारनाथ ठाकुर
2. राग परिचय भाग 1 एवं भाग 2 - श्री हरीश चन्द्र श्रीवास्तव
3. सुबोध संगीत शास्त्र भाग 1-डॉ. तेज सिंह टांक

****

कोर्स 2 – क्रियात्मक सिद्धांत

Course Code- BMV/BMS- 102

क्रेडिट-04
पूर्णांक : 100
बाह्य मूल्यांकन - पूर्णांक : 70, उत्तीर्णांक : 25
आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक : 30, उत्तीर्णांक : 11

इकाई 1- बिलावल, कल्याण एवं भैरव थाटों में अलंकारों का लेखन। राग यमन, बिलावल/अल्हैया बिलावल, भैरव एवं भूपाली का शास्त्रीय परिचय।
इकाई 2- पाठ्यक्रम के रागों में मध्यलय ख़्याल/रज़ाखानी गत की रचनाओं का तीन-तीन तानों/तोड़ों सहित भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लेखन।
इकाई 3- लय (विलम्बित, मध्य, द्रुत), ठाह, मात्रा, ताल, विभाग, सम, ताली, खाली, ठेका, आवर्तन की जानकारी।
इकाई 4- त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, रूपक एवं झपताल तालों का परिचय एवं ठाह सहित ताल-लिपि में लेखन।
इकाई 5- लगभग 300 शब्दों में संगीत संबंधी किसी विषय पर निबंध लेखन।

संदर्भ ग्रन्थ :

1. क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 1, 2, 3 – पं. विष्णु नारायण भातखंडे
2. राग परिचय भाग 1 - श्री हरीश चन्द्र श्रीवास्तव
3. राग रूपान्जली – डॉ. पुष्पा बसु
4. संगीत निबंध संग्रह – पं. हरीश चन्द्र श्रीवास्तव

****

कोर्स 3 – प्रायोगिक

Course Code- BMV/BMS- 103

क्रेडिट-08
पूर्णांक : 100
बाह्य मूल्यांकन - पूर्णांक : 70, उत्तीर्णांक : 25
आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक : 30, उत्तीर्णांक : 11

(पाठ्यक्रम के राग - यमन, बिलावल/अल्हैया बिलावल, भैरव एवं भूपाली)

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए-

- पाठ्यक्रम के रागों में एक- एक स्वर-मालिका एवं लक्षणगीत।
- पाठ्यक्रम के रागों में तीन-तीन तानों सहित एक-एक मध्यलय ख्याल।

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए-

- पाठ्यक्रम के रागों में मध्यलय अथवा रज़ाखानी गत अथवा द्रुतलय की रचना। (तीन-तीन तानों/तोड़ों सहित)।

****

कोर्स 4 – प्रायोगिक

Course Code- BMV/BMS- 104

क्रेडिट-08

पूर्णांक : 100

बाह्य मूल्यांकन - पूर्णांक : 70, उत्तीर्णांक : 25

आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक : 30, उत्तीर्णांक : 11

(पाठ्यक्रम के राग - यमन, बिलावल/अल्हैया बिलावल, भैरव एवं भूपाली)

अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए-

- बिलावल, भैरव एवं कल्याण थाटों में 15-15 अलंकारों का गायन।

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए-

- बिलावल, भैरव एवं कल्याण थाटों में 15-15 अलंकारों का वादन।

(स) पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का ताली देकर प्रदर्शन -

- त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, रूपक एवं झपताल के ठेकों का ज्ञान एवं ठाह में हाथ से ताली देकर प्रदर्शन।

****

बी.पी.ए. द्वितीय वर्ष

(मुख्य विषय - गायन/ स्वर वाद्य)

कोर्स 1- संगीतशास्त्र

Course Code- BMV/BMS- 201

क्रेडिट-04
पूर्णांक : 100

बाह्य मूल्यांकन **- पूर्णांक : 70, उत्तीर्णांक : 25**
आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक : 30, उत्तीर्णांक : 11

इकाई 1- हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक संगीत पद्धति के शुद्ध-विकृत स्वरों का तुलनात्मक अध्ययन। पूर्वांग वादी-उत्तरांगवादी राग। वादी स्वर से राग गायन के समय का संबंध। संधिप्रकाष राग, अध्वदर्शक स्वर, परमेल प्रवेशक राग की जानकारी।

इकाई 2- स्वर अंतराल (Interval), टोन (मेजर टोन, माइनर टोन, सेमीटोन), स्केल (नेचरल स्केल, डायटोनिक स्केल, टेम्पर्ड स्केल), अनुनाद (Resonance), डोल, (Beat), प्रतिध्वनि (Echo) एवं उपस्वर अथवा स्वयंभू स्वर (Overtone) तथा प्रमुख स्वर संवादों का अध्ययन। तार की लम्बाई और ध्वनि की आवृत्ति का पारस्परिक सम्बन्ध।

इकाई 3- भारतीय एवं पाश्चात्य वाद्य वर्गीकरण का अध्ययन। वितत् वाद्य का स्पष्टीकरण। गायन के परीक्षार्थियों के लिए तानपूरा तथा वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए अपने-अपने वाद्य का संक्षिप्त ऐतिहासिक अध्ययन।

इकाई 4- ध्रुपद, धमार, तराना, चतुरंग गीत प्रकार एवं मसीतखानी गत का परिचय। छत्तीसगढ़ के जंवारा गीत, करमा गीत तथा ददरिया गीत का सामान्य परिचय |

इकाई 5- सदारंग-अदारंग, बैजू-बख्शू, गोपाल नायक, हद्दू-हस्सू खाँ, उ.अब्दुलकरीम खाँ, बाबा अलाउद्दीन खाँ, पं. पन्नालाल घोश का संक्षिप्त जीवन परिचय तथा संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान। छत्तीसगढ़ के लोक कलाकारों– श्री झाड़ूराम देवांगन एवं सुरुजबाई खांडे का जीवन परिचय तथा लोकसंगीत के क्षेत्र में उनका योगदान |

संदर्भ ग्रन्थ :

1. संगीतांजलि भाग 3 - पं. ओमकारनाथ ठाकुर
2. राग परिचय भाग 2 ,3,4 - श्री हरीश चन्द्र श्रीवास्तव
3. सुबोध संगीत शास्त्र भाग 1-डॉ. तेज सिंह टांक

****

कोर्स 2 – क्रियात्मक सिद्धांत

Course Code- BMV/BMS- 202

क्रेडिट-04
पूर्णांक : 100
बाह्य मूल्यांकन - पूर्णांक : 70, उत्तीर्णांक : 25
आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक : 30, उत्तीर्णांक : 11

इकाई 1- - पाठ्यक्रम के राग तोड़ी, भैरवी एवं काफी थाटों में अलंकारों का लेखन । पाठ्यक्रम के राग यमन, भैरव, भीमपलासी, बिहाग, बागेश्री, काफी, दुर्गा एवं भैरवी रागों का शास्त्रीय परिचय।

इकाई 2- पाठ्यक्रम के रागों में मध्यलय ख़्याल अथवा रज़ाखानी गत/द्रुतलय की रचनाओं का तीन-तीन तानों/तोड़ों सहित भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लेखन।

इकाई 3- मींड, कण, खटका मुर्की, आलाप, तान, सूत, घसीट, ज़मज़मा और तोड़ा की जानकारी। बोल-आलाप, बोलतान, कृन्तन, जोड़, झाला, की परिभाषा। तिहाई की परिभाषा एवं प्रकार अतीत-अनागत की जानकारी।

इकाई 4- त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, रूपक, तीव्रा, झपताल, सूलताल तथा चौताल के ठेकों का ज्ञान एवं ठाह, दुगुन एवं चौगुन में लेखन।

इकाई 5- लगभग 400 शब्दों में संगीत संबंधी किसी विषय पर निबंध लेखन।

संदर्भ ग्रन्थ :

1. क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2, 3 ,4– पं. विष्णु नारायण भातखंडे
2. राग परिचय भाग 1,2,3 - श्री हरीश चन्द्र श्रीवास्तव
3. राग रूपान्जली – डॉ. पुष्पा बसु
4. संगीत निबंध संग्रह – पं. हरीश चन्द्र श्रीवास्तव

****

कोर्स 3 – प्रायोगिक

Course Code- BMV/BMS- 203

क्रेडिट-08
पूर्णांक : 100
बाह्य मूल्यांकन - पूर्णांक : 70, उत्तीर्णांक : 25
आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक : 30, उत्तीर्णांक : 11

(पाठ्यक्रम के राग - यमन, भैरव, भीमपलासी, बिहाग, बागेश्री, काफी, दुर्गा एवं भैरवी)

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए-

- पाठ्यक्रम के किन्हीं दो रागों में एक-एक विलम्बित ख़्याल आलाप तथा तानों सहित प्रदर्शन।

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए -

- पाठ्यक्रम के किन्हीं दो रागों में एक-एक विलम्बित/मसीतखानी गत तानों/तोड़ों सहित प्रदर्शन।

****

कोर्स 4 – प्रायोगिक

Course Code- BMV/BMS- 204

क्रेडिट-08
पूर्णांक : 100
बाह्य मूल्यांकन - पूर्णांक : 70, उत्तीर्णांक : 25
आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक : 30, उत्तीर्णांक : 11

(पाठ्यक्रम के राग- यमन, भैरव, भीमपलासी, बिहाग, बागेश्री, काफी, दुर्गा एवं भैरवी)

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए-

- पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में एक-एक मध्यलय ख़्याल आलाप तथा तानों सहित।
- पाठ्यक्रम के किसी एक राग में तराना।

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए -

- पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में एक-एक मध्यलय/द्रुतलय की रचना अथवा रज़ाखानी गत तानों/तोड़ों सहित।
- एक धुन।

(स) पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का ताली देकर ठाह एवं दुगुन में प्रदर्शन -

- त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, रूपक, तीव्रा, झपताल, सूलताल तथा चौताल के ठेकों का ज्ञान एवं ठाह/दुगुन में हाथ से ताली देकर प्रदर्शन।

****

बी.पी.ए. तृतीय वर्ष
(मुख्य विषय - गायन/ स्वर वाद्य)
कोर्स 1- संगीतशास्त्र
Course Code- BMV/BMS- 301

क्रेडिट-04
पूर्णांक : 100

बाह्य मूल्यांकन **- पूर्णांक : 70, उत्तीर्णांक : 25**
आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक : 30, उत्तीर्णांक : 11

इकाई 1- राग-रागिनी, थाट-राग तथा शुद्ध, छायालग और संकीर्ण राग वर्गीकरण का अध्ययन। पं. व्यंकटमखी के 72 मेल, उत्तर भारतीय संगीत में एक सप्तक से 32 थाटों की निर्माण विधि एवं एक थाट से 484 रागों की उत्पत्ति।

इकाई 2- घराने की परिभाषा एवं स्पष्टीकरण। ख्याल के ग्वालियर, आगरा, दिल्ली, पटियाला, किराना और जयपुर घरानों का सामान्य परिचय तथा सेनिया घराने की सामान्य जानकारी।

इकाई 3- आविर्भाव, तिरोभाव, नायकी, गायकी, तारपरन तथा लागडाट की परिभाषा। तान की परिभाषा एवं इसके प्रकार।

इकाई 4- गायक/वादक के गुण-दोष। छत्तीसगढ़ के पंडवानी, भरथरी तथा चंदैनी लोक गाथाओं का सामान्य परिचय |

इकाई 5- उ. फ़ैयाज़ ख़ाँ, उ. बड़े ग़ुलामअली ख़ाँ, पं. रविशंकर, उ. अलीअकबर ख़ाँ, उ. विलायत ख़ाँ, पं. वी.जी. जोग, उ. बिस्मिल्ला ख़ा, पं. हरिप्रसाद चौरसिया का संक्षिप्त जीवन परिचय एवं संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान। छत्तीसगढ़ के लोक कलाकारों – दाऊ महासिंह चन्द्राकर , श्री पूनाराम निषाद तथा श्री चिंतादास बंजारे का जीवन परिचय तथा लोकसंगीत के क्षेत्र में उनका योगदान |

संदर्भ ग्रन्थ :

1. संगीतांजलि भाग 3 - पं. ओमकारनाथ ठाकुर
2. राग परिचय भाग 3,4 - श्री हरीश चन्द्र श्रीवास्तव
3. सुबोध संगीत शास्त्र भाग 1-डॉ. तेज सिंह टांक

****

कोर्स 2 – क्रियात्मक सिद्धांत

Course Code- BMV/BMS- 302

क्रेडिट-04
पूर्णांक : 100

बाह्य मूल्यांकन **- पूर्णांक : 70, उत्तीर्णांक : 25**
आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक : 30, उत्तीर्णांक : 11

इकाई 1- पाठ्यक्रम के राग बिहाग, बागेश्री, मालकौंस, तोड़ी, आसावरी, मारवा, पूरिया, खमाज, देस एवं तिलककामोद रागों का सामान्य शास्त्रीय परिचय।

इकाई 2- पाठ्यक्रम के रागों में विलम्बितलय/मसीतखानी अथवा मध्यलय ख़्याल/रज़ाखानी गत रचनाओं का तीन-तीन तानों/तोड़ों सहित भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लेखन।

इकाई 3- आड़, कुआड़, बिआड़ लयों की जानकारी।

इकाई 4- त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, झपताल, चौताल, धमार, तिलवाड़ा, रूपक, तीव्रा, सूलताल, आड़ाचौताल, दीपचंदी तथा झूमरा तालों का परिचय एवं उन्हें तिगुन, चौगुन में लिखने का अभ्यास।

इकाई 5- लगभग 500 शब्दों में संगीत संबंधी किसी विषय पर निबंध लेखन।

संदर्भ ग्रन्थ :

1. क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2, 3 ,4– पं. विष्णु नारायण भातखंडे
2. राग परिचय भाग 1,2,3 - श्री हरीश चन्द्र श्रीवास्तव
3. राग रूपान्जली – डॉ. पुष्पा बसु
4. संगीत निबंध संग्रह – पं. हरीश चन्द्र श्रीवास्तव

****

कोर्स 3 – प्रायोगिक

Course Code- BMV/BMS- 303

क्रेडिट-08
पूर्णांक : 100

बाह्य मूल्यांकन **- पूर्णांक : 70, उत्तीर्णांक : 25**
आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक : 30, उत्तीर्णांक : 11

(पाठ्यक्रम के राग - बिहाग, बागेश्री, मालकौंस, तोड़ी, आसावरी, मारवा, पूरिया, खमाज, देस एवं तिलककामोद)

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए-

- पाठ्यक्रम के किन्हीं तीन रागों में एक-एक विलम्बित ख़्याल आलाप तथा तानों सहित प्रदर्शन।

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए -

- पाठ्यक्रम के किन्हीं तीन रागों में एक-एक विलम्बित/मसीतखानी गत तानों/तोड़ों सहित प्रदर्शन।

****

कोर्स 4 - प्रायोगिक

Course Code- BMV/BMS- 304

क्रेडिट-08
पूर्णांक : 100

बाह्य मूल्यांकन **- पूर्णांक : 70, उत्तीर्णांक : 25**
आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक : 30, उत्तीर्णांक : 11

(पाठ्यक्रम के राग - बिहाग, बागेश्री, मालकौंस, तोड़ी, आसावरी, मारवा, पूरिया, खमाज, देस एवं तिलककामोद)

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए-

- पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में एक-एक मध्यलय ख़्याल आलाप तथा तानों सहित।
- पाठ्यक्रम के किसी एक राग में ध्रुपद/ धमार का प्रदर्शन।

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए -

- पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में एक-एक मध्यलय/द्रुतलय की रचना अथवा रज़ाखानी गत तानों/तोड़ों सहित।
- तीनताल के अतिरिक्त किसी अन्य ताल में एक गत आलाप, तान/तोड़ों सहित।

(स) पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का ताली देकर ठाह, दुगुन एवं चौगुन में प्रदर्शन -

- त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, झपताल, चौताल, धमार, तिलवाड़ा, रूपक, तीव्रा, सूलताल, आड़ाचौताल, दीपचंदी तथा झूमरा तालों का ज्ञान एवं ठाह, दुगुन एवं चौगुन में हाथ से ताली देकर प्रदर्शन

****

बी.पी.ए. चतुर्थ वर्ष
(मुख्य विषय - गायन/ स्वर वाद्य)
कोर्स 1- संगीतशास्त्र
Course Code- BMV/BMS- 401

क्रेडिट-04
पूर्णांक : 100

बाह्य मूल्यांकन **- पूर्णांक : 70, उत्तीर्णांक : 25**
आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक : 30, उत्तीर्णांक : 11

इकाई 1- गांधर्व गान, मार्ग-देशी एवं ग्राम-मूर्च्छना का प्रारंभिक परिचय । भरत का श्रुति-निदर्शन एवं शारंगदेव द्वारा उल्लिखित चतुःसारणा का परिचय। ग्राम राग आदि दशविध राग वर्गीकरण का अध्ययन। राग के ग्रह आदि दस लक्षण।

इकाई 2- निबद्ध और अनिबद्ध गान का सामान्य परिचय। अनिबद्ध के अंतर्गत रागालप्ति एवं रूपकालप्ति के भेद-प्रभेदों का अध्ययन। वाग्गेयकार की परिभाषा , गमक की परिभाषा और प्रकार (संगीतरत्नाकर के अनुसार)।

इकाई 3- पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर स्वरलिपि व तालिपि पद्धति का परिचय।

इकाई 4- स्टाफ नोटेशन (स्वरलिपि) पद्धति का सामान्य परिचय। पाठ्यक्रम के रागों के आरोह-अवरोह व पकड़ का इस पद्धति में लेखन। हार्मनी – मेलोडी का सामान्य परिचय।

इकाई 5- स्वर प्रस्तार, खण्डमेरु, नष्ट और उद्दिष्ट का सामान्य परिचय।

संदर्भ ग्रन्थ :

1. संगीतांजलि भाग 4,5,6 - पं. ओमकारनाथ ठाकुर
2. संगीतमणि भाग 1,2 - डॉ महारानी शर्मा
3. सुबोध संगीत शास्त्र भाग 1-डॉ. तेज सिंह टांक

****

कोर्स 2 – क्रियात्मक सिद्धांत
Course Code- BMV/BMS- 402

क्रेडिट-04
पूर्णांक : 100

बाह्य मूल्यांकन **- पूर्णांक : 70, उत्तीर्णांक : 25**
आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक : 30, उत्तीर्णांक : 11

इकाई 1- पाठ्यक्रम के राग जौनपुरी, दरबारी कान्हड़ा, जैजैवन्ती, बृंदावनी सारंग, कामोद, हमीर, केदार, पूरिया धनाश्री, पटदीप एवं शंकरा रागों का सामान्य शास्त्रीय परिचय।

इकाई 2- पाठ्यक्रम के रागों में विलम्बितलय/मध्यलय ख़्याल अथवा मसीतखानी/रज़ाखानी गत की रचनाओं का तीन-तीन तानों/तोड़ों सहित भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लेखन।

इकाई 3- पाठ्यक्रम के रागों में तान व तिहाई की रचना।

इकाई 4- पाठ्यक्रम के ताल- तीनताल, एकताल, धमार, झपताल और रूपक ताल के ठेकों को आड़ (दो मात्रा में तीन मात्रा) की लयकारी को भातखण्डे ताल लिपि में लिखने का अभ्यास।

इकाई 5- लगभग 600 शब्दों में संगीत संबंधी किसी विषय पर निबंध लेखन।

संदर्भ ग्रन्थ :

1. क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2, 3 ,4– पं. विष्णु नारायण भातखंडे
2. राग परिचय भाग 2,3,4 - श्री हरीश चन्द्र श्रीवास्तव
3. राग रूपान्जली – डॉ. पुष्पा बसु
4. संगीत निबंध संग्रह – पं. हरीश चन्द्र श्रीवास्तव

****

कोर्स 3 - प्रायोगिक [मौखिक (Viva)]

Course Code- BMV/BMS- 403

क्रेडिट-08
पूर्णांक : 100
बाह्य मूल्यांकन - पूर्णांक : 70, उत्तीर्णांक : 25
आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक : 30, उत्तीर्णांक : 11

(पाठ्यक्रम के राग - जौनपुरी, दरबारी कान्हड़ा, जैजैवन्ती, बृंदावनी सारंग, कामोद, हमीर, केदार, पूरिया धनाश्री, पटदीप एवं शंकरा)

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए-

- पाठ्यक्रम के किन्हीं चार रागों में एक-एक विलम्बित ख़्याल आलाप तथा तानों सहित प्रदर्शन।

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए -

- पाठ्यक्रम के किन्हीं चार रागों में एक-एक विलम्बित/मसीतखानी गत तानों/तोड़ों सहित प्रदर्शन।
- तीनताल के अतिरिक्त किसी अन्य ताल में एक गत आलाप, तान/तोड़ों सहित।

****

कोर्स 4 - प्रायोगिक [मौखिक (Viva)]

Course Code- BMV/BMS- 404

क्रेडिट-08
पूर्णांक : 100
बाह्य मूल्यांकन - पूर्णांक : 70, उत्तीर्णांक : 25
आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक : 30, उत्तीर्णांक : 11

(पाठ्यक्रम के राग - जौनपुरी, दरबारी कान्हड़ा, जैजैवन्ती, बृंदावनी सारंग, कामोद, हमीर, केदार, पूरिया धनाश्री, पटदीप एवं शंकरा)

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए-

- पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में एक-एक मध्यलय ख़्याल आलाप तथा तानों सहित।
- पाठ्यक्रम के किसी एक राग में ध्रुपद/ धमार का प्रदर्शन।

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए -

- पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में एक-एक मध्यलय/द्रुतलय की रचना अथवा रज़ाखानी गत तानों/तोड़ों सहित।
- तीनताल के अतिरिक्त किसी अन्य ताल में एक गत आलाप, तान/तोड़ों सहित।

(स) पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का ताली देकर ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन में प्रदर्शन -

- त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, झपताल, चौताल, धमार, तिलवाड़ा, रूपक, तीव्रा, सूलताल, आड़ाचौताल, दीपचंदी तथा झूमरा तालों का ज्ञान एवं ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन में हाथ से ताली देकर प्रदर्शन।

****

कोर्स 5 - प्रायोगिक [मंच प्रदर्शन (Stag Performance)]

Course Code- BMV/BMS- 405

क्रेडिट-06
पूर्णांक : 100
बाह्य मूल्यांकन - पूर्णांक : 70, उत्तीर्णांक : 25
आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक : 30, उत्तीर्णांक : 11

(पाठ्यक्रम के राग - जौनपुरी, दरबारी कान्हड़ा, जैजैवन्ती, बृंदावनी सारंग, कामोद, हमीर, केदार, पूरिया धनाश्री, पटदीप एवं शंकरा)

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए-

- पाठ्यक्रम में किसी एक राग में विलम्बित ख्याल एवं मध्यलय/द्रुतलय की रचना का विस्तृत आलाप, तान सहित मंचीय प्रदर्शन।
- किसी एक भजन का गायन।

(ब) वादन के परीक्षार्थियों के लिए-

- पाठ्यक्रम में किसी एक राग में विलम्बित ख्याल/मसीतखानी गत एवं मध्यलय/रज़ाखानी गत/द्रुतलय की रचना का विस्तृत आलाप, तोड़ों सहित मंचीय प्रदर्शन।
- किसी एक धुन का प्रदर्शन।

****

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

लोकसंगीत **एवं कला संकाय**

चतुर्वर्षीय **बी.पी.ए.** पाठ्यक्रम

मुख्य विषय – लोकसंगीत

वर्ष – 2022

पाठ्यक्रम का उद्देश्य -

लोकसंगीत विषय का चार वर्षीय बी.पी.ए. पाठ्यक्रम चार वर्षों में विभक्त है।

इस पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय लोकसंगीत की विशेषताओं से परिचित कराना है।

पाठ्यक्रम को चार वर्षों में विभक्त करते समय इस बात पर विशेष ध्यान दिया गया है कि विद्यार्थी लोकसंगीत के गीतपक्ष, स्वरपक्ष, तालपक्ष और वाद्यपक्ष के साथ ही नृत्य पक्ष पर भी साधिकार चर्चा एवं प्रदर्शन करने की क्षमता से परिपूर्ण हो।

भारत वर्ष के अधिकांश क्षेत्रों के लोकगीतों और लोकनृत्यों की जानकारी के परिचय सहित छत्तीसगढ़ी लोकसंगीत और लोकनृत्यों में विशेष दक्षता प्राप्त करना इस पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य है। सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूर्ण करने पर विद्यार्थी भारतीय संस्कृति के लोकसांगितिक पक्ष से पूर्णतः परिचित हो सकेगा।

लोकसंगीत और लोकनृत्य का समन्वित पाठ्यक्रम होने के कारण शारीरिक और बौद्धिक रूप से सक्षम विद्यार्थियों को ही इस पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाना संभव होगा।

प्रस्तुत पाठ्यक्रम को क्रेडिट्स के अनुसार तैयार किया गया है। एक क्रेडिट का तात्पर्य पन्द्रह घंटे का अध्ययन अध्यापन है।

बी.पी.ए. प्रथम वर्ष लोकसंगीत

प्रश्न पत्र		प्रश्न पत्र का नाम	बाह्य मूल्यांकन	उत्तीर्णांक	आंतरिक मूल्यांकन	उत्तीर्णांक	पूर्णांक	उत्तीर्णांक	क्रेडिट
BFF - 101	शास्त्र प्रथम	छत्तीसगढ़ के लोकसंगीत का अध्ययन	70	25	30	11	100	26	4
BFF - 102	शास्त्र द्वितीय	लोकगीतों का अध्ययन	70	25	30	11	100	26	4
BFF - 103	प्रायोगिक	प्रयोग	70	25	30	11	100	26	8
BFF - 104	प्रायोगिक	तकनीकि ज्ञान	70	25	30	11	100	26	8
							400		24

बी.पी.ए. द्वितीय वर्ष लोकसंगीत

प्रश्न पत्र		प्रश्न पत्र का नाम	बाह्य मूल्यांकन	उत्तीर्णांक	आंतरिक मूल्यांकन	उत्तीर्णांक	पूर्णांक	उत्तीर्णांक	क्रेडिट
BFF - 201	शास्त्र प्रथम	मध्यप्रदेश के लोकसंगीत का अध्ययन	70	25	30	11	100	26	4
BFF - 202	शास्त्र द्वितीय	लोकनृत्य का परिचयात्मक अध्ययन	70	25	30	11	100	26	4
BFF - 203	प्रायोगिक	प्रयोग	70	25	30	11	100	26	8
BFF - 204	प्रायोगिक	तकनीकि ज्ञान	70	25	30	11	100	26	8
							400		24

बी.पी.ए. तृतीय वर्ष लोकसंगीत

प्रश्न पत्र		प्रश्न पत्र का नाम	बाह्य मूल्यांकन	उत्तीर्णांक	आंतरिक मूल्यांकन	उत्तीर्णांक	पूर्णांक	उत्तीर्णांक	क्रेडिट
BFF - 301	शास्त्र प्रथम	भारतीय लोकसंगीत का अध्ययन	70	25	30	11	100	26	4
BFF - 302	शास्त्र द्वितीय	लोकनाट्य का अध्ययन	70	25	30	11	100	26	4
BFF - 303	प्रायोगिक	प्रयोग	70	25	30	11	100	26	8
BFF - 304	प्रायोगिक	तकनीकि ज्ञान	70	25	30	11	100	26	8
							400		24

बी.पी.ए. चतुर्थ वर्ष लोकसंगीत

प्रश्न पत्र		प्रश्न पत्र का नाम	बाह्य मूल्यांकन	उत्तीर्णांक	आंतरिक मूल्यांकन	उत्तीर्णांक	पूर्णांक	उत्तीर्णांक	क्रेडिट
BFF - 401	शास्त्र प्रथम	लोकसाहित्य का अध्ययन	70	25	30	11	100	26	4
BFF - 402	शास्त्र द्वितीय	छत्तीसगढ़ी लोकसंस्कृति का अध्ययन	70	25	30	11	100	26	4
BFF - 403	प्रायोगिक	प्रयोग	70	25	30	11	100	26	8
BFF - 404	प्रायोगिक	तकनीकि ज्ञान	70	25	30	11	100	26	8
BFF - 405	प्रायोगिक	मंच प्रदर्शन	70	25	30	11	100	26	6
							500		30

बी.पी.ए.-लोकसंगीत (मुख्य विषय) - प्रथम वर्ष
शास्त्र(प्रथम प्रश्न पत्र)
छत्तीसगढ़ के लोकसंगीत का अध्ययन

BFF-101
Credit – 4
समय - 3 घंटा

पूर्णांक –100
बाह्य मूल्यांकन - 70/25
आंतरिक मूल्यांकन - 30/11

इकाई – 1
- लोक संगीत का अर्थ, परिभाषा एवं लोकसंगीत के विभिन्न प्रकारों का परिचयात्मक अध्ययन।
- छत्तीसगढ़ प्रदेश के लोक संगीत का सामान्य अध्ययन।

इकाई – 2
- छत्तीसगढ़ प्रदेश में प्रचलित लोकनृत्यों का सामान्य अध्ययन।
  - ❖ डंडा, सुआ, पंथी, भोजली, देवार-करमा
- छत्तीसगढ़ प्रदेश के संस्कार गीतों का परिचयात्मक अध्ययन।

इकाई – 3
- स्वर के आरोह-अवरोह तथा दस अलंकार का अध्ययन।
- दादरा, कहरवा, दीपचंदी एवं त्रिताल तालों की सामान्य जानकारी।

इकाई – 4
- छत्तीसगढ़ प्रदेश में प्रचलित खेल गीतों का परिचयात्मक अध्ययन।
- निम्नलिखित पारम्परिक लोक वाद्यों की बनावट का सामान्य अध्ययन :-
  - ❖ दमऊ, दफड़ा, गुदुम, मंजीरा, मोहरी

बी.पी.ए.-लोकसंगीत (मुख्य विषय) - प्रथम वर्ष
शास्त्र(द्वितीय प्रश्न पत्र)
लोकगीतों का अध्ययन

BFF-102
Credit - 4
समय - 3 घंटा

पूर्णांक –100
बाह्य मूल्यांकन - 70/25
आंतरिक मूल्यांकन - 30/11

इकाई – 1
- लोकगीत का अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताओं का सामान्य अध्ययन।
- लोकगीत की उत्पत्ति एवं वर्गीकरण का सामान्य अध्ययन।

इकाई – 2
- भारतीय संस्कृति में लोकगीतों की व्याप्ति।
- समाज में लोक संगीत का महत्व एवं उपयोगिता।

इकाई – 3
- धार्मिक एवं मनोरंजन पूर्ण लोकगीतों का सामान्य अध्ययन।
- ऐतिहासिक एवं राष्ट्रीय लोकगीतों का परिचयात्मक अध्ययन।

इकाई – 4
- लगभग 400 शब्दों में लोक संगीत संबंधी किसी विषय पर निबंध लेखन।
- निम्नलिखित कलाकारों का जीवन परिचय एवं लोकसंगीत के क्षेत्र में उनका योगदान
  - ❖ पद्मश्री शेख गुलाब, पद्मश्री पूनाराम निषाद, श्री देवदास बंजारे श्री मदन निषाद, श्री झाड़ूराम देवांगन

बी.पी.ए.-लोकसंगीत (मुख्य विषय) - प्रथम वर्ष

प्रयोग

पूर्णांक -100

BFF-103

Credit – 8

समय -

बाह्य मूल्यांकन - 70/25

आंतरिक मूल्यांकन - 30/11

1. स्वर ज्ञान एवं अलंकारों का अभ्यास।
2. छत्तीसगढ़ प्रदेश के निम्नलिखित लोक नृत्यों का प्रदर्शन :-
   - ❖ डंडा, सुआ, पंथी, देवार करमा
3. छत्तीसगढ़ के निम्नलिखित लोकगीतों का अभ्यास :-
   - ❖ संस्कार गीत, श्रमगीत, लोकभजन, बालक बालिकाओं के खेल गीत
4. छत्तीसगढ़ के निम्नलिखित वाद्यो में गहिरा पार, बिहाव पार, गौरा-गौरी पार का वादन अभ्यासः-
   - ❖ दफड़ा, गुदुम, दमऊ, मोहरी
5. लोकनृत्य के अनुकूल प्रारंभिक शारीरिक व्यायाम।

बी.पी.ए.-लोकसंगीत (मुख्य विषय) - प्रथम वर्ष

तकनीकि ज्ञान

पूर्णांक -100

BFF-104

Credit - 8

समय -

बाह्य मूल्यांकन - 70/25

आंतरिक मूल्यांकन - 30/11

1. छत्तीसगढ़ के दो नाचागीतों एवं दो गाथागीतों के गायन का अभ्यास।
2. निम्नलिखित लोकवाद्यों का अधिकार पूर्वक वादन करना।
   - ➢ चटकोला, ठिसकी, हिरकी
3. छत्तीसगढ़ प्रदेश के निम्नलिखित लोक नृत्यों का प्रदर्शनः-
   - ❖ गौर-माड़िया नृत्य, राऊत, मूसल, छत्तीसगढ़ी करमा
4. छत्तीसगढ़ के धार्मिक गीत, मनोरंजन गीत, ऐतिहासिक एवं राष्ट्रीय गीत के गायन का अभ्यास।
5. कहरवा, दादरा एवं चाचर ताल का दुगुन, चौगुन की लय में ताली देकर प्रदर्शन।

Deepshikha

बी.पी.ए.-लोकसंगीत (मुख्य विषय) - द्वितीय वर्ष
शास्त्र(प्रथम प्रश्न पत्र)
मध्यप्रदेश के लोकसंगीत का अध्ययन

BFF-201
Credit - 4
समय - 3 घंटा

पूर्णांक -100
बाह्य मूल्यांकन - 70/25
आंतरिक मूल्यांकन - 30/11

इकाई – 1
- मध्यप्रदेश के लोक संगीत का सामान्य अध्ययन।
- बुन्देलखण्ड एवं मालवा के संस्कार गीतों की विशिष्ट जानकारी ।

इकाई – 2
- मध्यप्रदेश तथा छत्तीसगढ़ के लोकवाद्यों के महत्व एवं उपयोगिता की सामान्य जानकारी।
- लोक संगीत में प्रयुक्त लोकवाद्यों का वर्गीकरण एवं सामान्य परिचय।

इकाई – 3
- निम्नांकित लोक वाद्यों की बनावट का सामान्य अध्ययन ।
  - ❖ चटकोला, अल्गोजा, मिरदिंग बुन्देलखंडी, ढोलक, बांसुरी
- दादरा, कहरवा एवं दीपचंदी के ठेकों को ठाह, दुगुन एवं चौगुन की लयकारी में लिपिबद्ध करना, भातखंडे स्वर लिपि एवं तालिपि पद्धति की जानकारी

इकाई – 4
- निम्नलिखित लोकनृत्य के वेशभूषा एवं आभूषण की सामान्य जानकारी।
  - ❖ छत्तीसगढ़ी करमा, अहिराई नृत्य, पंथी
- उपर्युक्त लोकनृत्यों में प्रयुक्त लोकवाद्यों की सामान्य जानकारी।

बी.पी.ए.-लोकसंगीत (मुख्य विषय) - द्वितीय वर्ष
शास्त्र(द्वितीय प्रश्न पत्र)
लोकनृत्य का परिचयात्मक अध्ययन

BFF-202
Credit – 4
समय - 3 घंटा

पूर्णांक -100
बाह्य मूल्यांकन - 70/25
आंतरिक मूल्यांकन - 30/11

इकाई – 1
- लोकनृत्य की परिभाषा, उत्पत्ति एवं विकास का सामान्य अध्ययन।
- लोकनृत्य में प्रयुक्त गीत, लय, ताल की उपयोगिता का सामान्य अध्ययन।

इकाई – 2
- छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रतिनिधि लोकनृत्यों का विशिष्ट अध्ययन।
- लोकनृत्यों में रीति-रिवाज एवं अनुष्ठान का अध्ययन।

इकाई – 3
- पर्व और उत्सव संबंधी लोकनृत्यों का सामान्य अध्ययन।
- लोकनृत्यों के पूर्वरंग का सामान्य अध्ययन।

इकाई – 4
- लोकनृत्यों में शारीरिक क्रियाओं एवं भाव भंगिमाओं का अध्ययन।
- भातखंडे स्वरलिपि का ज्ञान
- निम्नलिखित लोक कलाकारों का जीवन परिचय एवं उनका योगदान
  - ❖ पद्मभूषण तीजनबाई, श्री सुरूज बाई खाण्डे, श्री चिन्तादास बंजारे श्री रामसहाय पांडे, श्री हीरासिंह बोरलिया

बी.पी.ए.-लोकसंगीत (मुख्य विषय) - द्वितीय वर्ष

प्रयोग

पूर्णांक -100

BFF-203

बाह्य मूल्यांकन - 70/25

Credit - 8

आंतरिक मूल्यांकन - 30/11

समय -

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. निम्नांकित नृत्यों का प्रदर्शन।
   - ❖ गेड़ी, हिरकी, पर्रा नृत्य, बैगा नृत्य (जनजाति),सैला-रीना (जनजाति)
3. मध्यप्रदेश के पांच-पांच लोकगीतों के गायन का अभ्यास।
   - ❖ संस्कार गीत (बुन्देलखण्ड, बघेलखण्ड, मालवा, निमाड़)
4. निम्नलिखित लोकवाद्यों को बजाने का अभ्यास।
   - ❖ मांदर, खड़ताल, झांझ, नगड़िया

बी.पी.ए.-लोकसंगीत (मुख्य विषय) - द्वितीय वर्ष

प्रयोग

पूर्णांक -100

BFF-204

बाह्य मूल्यांकन - 70/25

Credit - 8

आंतरिक मूल्यांकन - 30/11

समय -

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. निम्नलिखित राज्यों के दो-दो प्रतिनिधि लोकगीतों का गायन-
   - ❖ बिहार, बंगाल, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़
3. उपर्युक्त सभी क्षेत्रों के एक-एक लोकनृत्य का व्यावहारिक ज्ञान का अभ्यास।
4. निम्नलिखित जनजाति नृत्यों के सांस्कृतिक ज्ञान की अभिव्यक्ति।
   - ❖ परब, भगोरिया, काकसार, कोलदहका, थापटी (कोरकू)
5. निम्नलिखित राज्यों के लोकवाद्यों के वादन का अभ्यास
   - ❖ नगाड़ा, ढोलक, मांदर, इकतारा

बी.पी.ए.-लोकसंगीत (मुख्य विषय) - तृतीय वर्ष
शास्त्र(प्रथम प्रश्न पत्र)
भारतीय लोकसंगीत का अध्ययन

BFF-301
Credit –4
समय - 3 घंटा

पूर्णांक –100
बाह्य मूल्यांकन - 70/25
आंतरिक मूल्यांकन - 30/11

इकाई -- 1
- धार्मिक गीत, मनोरंजन गीत, ऐतिहासिक गीत एवं राष्ट्रीय गीतों के गायन का अध्ययन।
- ऋतु गीतों का अध्ययन।

इकाई – 2
- बनारसी कजरी एवं भोजपुरी कजरी लोकगीतों का निम्न बिन्दुओं के आधार पर अध्ययन।
  - ❖ अवसर, भावार्थ, लय ताल, वाद्य पक्ष, स्वर पक्ष
- बाउल एवं बीहू लोकगीतों का निम्न बिन्दुओं के आधार पर अध्ययन।
  - ❖ अवसर, भावार्थ, लय ताल, वाद्य पक्ष, स्वर पक्ष

इकाई – 3
- घूमर एवं गणगौर लोकनृत्यों में बजने वाले लोकवाद्यों का अध्ययन।
- भांगड़ा एवं बरेदी लोकनृत्यों में बजने वाले लोकवाद्यों का अध्ययन।

इकाई – 4
- सामाजिक जीवन में लोक संगीत का महत्व।
- लोक संगीत के आधुनिक स्वरूप का अध्ययन।
- पांच लोकगीतों को भातखंडे स्वरलिपि में लिखने का अभ्यास।

बी.पी.ए.लोकसंगीत (मुख्य विषय) - तृतीय वर्ष
शास्त्र (लिखित द्वितीय प्रश्न पत्र)
लोकनाट्य का अध्ययन

BFF-302
Credit – 4
समय - 3 घंटा

पूर्णांक –100
बाह्य मूल्यांकन - 70/25
आंतरिक मूल्यांकन - 30/11

इकाई – 1
- लोकनाट्य (परिभाषा, उत्पत्ति एवं विकास) का विस्तृत अध्ययन।
- विभिन्न प्रदेशों के प्रतिनिधि लोकनाट्यों का परिचयात्मक अध्ययन।

इकाई – 2
- भारतीय लोकजीवन में लोकनाट्यों की भूमिका का अध्ययन।
- छत्तीसगढ़ प्रदेश के लोकनाट्यों का अध्ययन।

इकाई – 3
- लोकनाट्यों का वर्गीकरण, प्रस्तुति एवं प्रयोग।
- लोकनाट्यों के संगीत की उत्पत्ति, वाद्य और उसका विस्तार।

इकाई – 4
- लोकनाट्यों में लोकसंगीत का महत्व और भूमिका।
- लोक नाट्य के कलाकारों एवं निर्देशकों का जीवन परिचय एवं उनका योगदान।
  - ❖ पद्मभूषण हबीब तनवीर, पद्मश्री गोविन्द राम निर्मलकर, श्री सिद्धेश्वर सेन, श्री भुलवा राम यादव, श्री भिखारी ठाकुर, ~~फिदा बाई~~

बी.पी.ए.-लोकसंगीत (मुख्य विषय) - तृतीय वर्ष

प्रयोग

पूर्णांक -100

BFF-303 बाह्य मूल्यांकन - 70/25

Credit - 8 आंतरिक मूल्यांकन - 30/11

समय -

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. नृत्यों की मौलिक एवं पारम्परिक शैली को अधिकार पूर्वक ग्रहण करना।
   ❖ घूमर, रेला (जनजाति), डालखाई (जनजाति), मांदरी (जनजाति)
3. निम्नलिखित राज्यों के दो-दो प्रतिनिधि लोकगीतों का गायन-
   ❖ हिमांचल, राजस्थान, उड़ीसा
4. भारतीय प्रतिनिधि लोकगीतों की मौलिक एवं पारम्परिक शैली को अधिकार पूर्वक ग्रहण करना
   ❖ गद्दी गीत, कुंजुवा, हिंडोला, इंडोणी, लच्छी गीत, पणिहारी गीत

बी.पी.ए.-लोकसंगीत (मुख्य विषय) - तृतीय वर्ष

तकनीकि ज्ञान

पूर्णांक -100

BFF-304 बाह्य मूल्यांकन - 70/25

Credit - 8 आंतरिक मूल्यांकन - 30/11

समय -

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. लोकनृत्यों की पारम्परिक शैली को अधिकार पूर्वक ग्रहण करना-
   ❖ सरहुल (जनजाति), कोली, बीहू, भांगड़ा
3. भारत के निम्नलिखित प्रतिनिधि लोकगीतों को मौलिक एवं पारम्परिक शैली में प्रस्तुत करना।
   ❖ कजरी, बाउल, पूर्वी, बीहू
4. लोकवाद्यों को मौलिक एवं पारम्परिक शैली में अधिकार पूर्वक सीखना -
   ❖ ढपला, नगड़िया, मंजीरा, पुंग

बी.पी.ए.-लोकसंगीत (मुख्य विषय) - चतुर्थ वर्ष
शास्त्र (प्रथम प्रश्न पत्र)
लोकसाहित्य का अध्ययन

BFF-401
Credit – 4
समय - 3 घंटा

पूर्णांक –100
बाह्य मूल्यांकन - 70/25
आंतरिक मूल्यांकन - 30/11

इकाई – 1
- लोकसाहित्य का अर्थ, परिभाषा एवं वर्गीकरण का अध्ययन।
- लोककथा का अर्थ, परिभाषा एवं विकास का अध्ययन।

इकाई – 2
- लोककथा का वर्गीकरण एक सामान्य अध्ययन।
- पारम्परिक लोककला का परिचय और आधुनिक जीवन में उपादेयता।

इकाई – 3
- प्रमुख लोक शिल्पियों का सामान्य परिचय।
- लोक कहावतें, उद्‌भव एवं विकास का सामान्य अध्ययन।

इकाई – 4
- लोकोक्तियों और पहेलिकाओं का साहित्यिक तथा सांस्कृतिक अध्ययन।
- भारतीय संस्कृति में लोक साहित्य का सामान्य अध्ययन।

इकाई – 5
- लोकसाहित्य का महत्व एवं विशेषताओं का सामान्य अध्ययन।
- भिन्न-भिन्न प्रकार के लोकगीतो को लिपिबद्ध करने का अभ्यास (अधिकतम आठ)।

बी.पी.ए.-लोकसंगीत (मुख्य विषय) - चतुर्थ वर्ष
शास्त्र (द्वितीय प्रश्न पत्र)
छत्तीसगढ़ी लोकसंस्कृति का अध्ययन

BFF-402
Credit – 4
समय - 3 घंटा

पूर्णांक –100
बाह्य मूल्यांकन - 70/25
आंतरिक मूल्यांकन - 30/11

इकाई – 1
- छत्तीसगढ़ प्रदेश का सामाजिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन।
- छत्तीसगढ़ प्रदेश का भौगोलिक एवं ऐतिहासिक परिचय।

इकाई – 2
- लोकगीतों में नारी जीवन की अभिव्यक्ति एक अध्ययन।
- लोकगीतों में सांस्कृतिक तत्व : एक अध्ययन।

इकाई – 3
- लोकनाट्य में संगीत की भूमिका।
- भारत के सांस्कृतिक क्षेत्रों के प्रतिनिधि लोकनाट्यों का सामान्य अध्ययन।

इकाई – 4
- लोकगाथाओं के प्रकार एवं स्वरूप का सामान्य अध्ययन।
- छत्तीसगढ़ प्रदेश की लोकगाथाओं का विस्तृत अध्ययन।

बी.पी.ए.-लोकसंगीत (मुख्य विषय) - चतुर्थ वर्ष

प्रयोग

पूर्णांक -100

BFF-403

Credit - 8

समय -

बाह्य मूल्यांकन - 70/25

आंतरिक मूल्यांकन - 30/11

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. निम्नलिखित प्रांतों के प्रतिनिधि लोकगीतों को मौलिक एवं पारम्परिक शैली में अधिकार पूर्वक सीखना प्रस्तुत करना :-
   - ❖ गुजरात, पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र
3. निम्नलिखित लोकनृत्यों को मौलिक एवं पारम्परिक शैली में अधिकार पूर्वक सीखना और प्रस्तुत करना।
   - ❖ कालबेलिया, परघौनी, बधाई, धोबिया
4. लोकवाद्यों को मौलिक एवं पारम्परिक शैली में अधिकार पूर्वक सीखना और प्रस्तुत करना
   - ❖ तम्बुरा, रावणहत्था, बांसुरी, चिकारा, ढोल (पंजाब, गुजराती)

बी.पी.ए.-लोकसंगीत (मुख्य विषय) - चतुर्थ वर्ष

तकनीकि ज्ञान

पूर्णांक -100

BFF-404

Credit - 8

समय -

बाह्य मूल्यांकन - 70/25

आंतरिक मूल्यांकन - 30/11

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. निम्नलिखित प्रदेशों के प्रतिनिधि लोकगीतों को मौलिक एवं पारम्परिक शैली में अधिकार पूर्वक सीखना तथा प्रस्तुत करना।
   - ❖ छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, असम
3. निम्नलिखित प्रतिनिधि लोकनृत्यों को मौलिक एवं पारम्परिक शैली में अधिकार पूर्वक सीखना तथा प्रस्तुत करना
   - ❖ कहरवा, राई, गिद्दा, बैगा-फाग
4. लोकवाद्यों को मौलिक एवं पारम्परिक शैली में अधिकार पूर्वक सीखकर प्रस्तुत करना :-
   - ❖ माड़िया ढोल, रूंझु, रेकड़ी, घुंघरू, करताल

बी.पी.ए.-लोकसंगीत (मुख्य विषय) - चतुर्थ वर्ष

मंच-प्रदर्शन

BFF-405
Credit - 6
समय -

पूर्णांक -100
बाह्य मूल्यांकन - 70/25
आंतरिक मूल्यांकन - 30/11

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित दो-दो लोकनृत्यों एवं लोकगीतों का अधिकार पूर्वक प्रदर्शन।
2. परीक्षक के निर्देशानुसार एक-एक लोकनृत्य, लोकगीत का प्रदर्शन।
3. लोकवाद्य वादन का प्रदर्शन। (कोई - एक)

25.5.2022

(पद रिक्त)
अधिष्ठाता
लोकसंगीत एवं कला संकाय

(डॉ. योगेन्द्र चौबे)
विभागाध्यक्ष
लोक संगीत विभाग

(डॉ. पीसीलाल यादव)
बाह्य सदस्य
गंडई

(डॉ.दीपशिखा पटेल)
सहायक प्राध्यापक
लोकसंगीत विभाग

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

लोकसंगीत एवं कला संकाय

चतुर्वर्षीय बी.पी.ए. पाठ्यक्रम

सहायक विषय - लोकसंगीत

वर्ष - 2022

25.5.2022

बी.पी.ए.- प्रथम वर्ष
लोकसंगीत (सहायक विषय)
शास्त्र
मध्यभारत के लोकसंगीत का अध्ययन

पूर्णांक -100

Credit – 6 बाह्य मूल्यांकन - 70/25
समय - 3 घंटा आंतरिक मूल्यांकन - 30/11

1. छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति का सामान्य परिचय ।
2. छत्तीसगढ़ में प्रचलित लोक विधाओं का सामान्य परिचय -
    1. लोक गीत (जन्म संस्कार, विवाह संस्कार) - कुल- 5
    2. लोक नृत्य - सुआ तथा डंडा
3. ख्यातिलब्ध प्रमुख तीन लोक कलाकारों (पद्मश्री गोविन्दराम निर्मलकर, श्री झाडूराम देवांगन, श्री देवदास बंजारे) का जीवन परिचय ।
4. लोक संगीत में प्रयुक्त तालों के ताली, खाली एवं ठेकों का सामान्य ज्ञान ।
5. मध्यप्रदेश में प्रचलित लोक संगीत का सामान्य अध्ययन ।
6. मध्यप्रदेश के लोकविधाओं का सामान्य अध्ययन :-
    1. पांच लोकगीत 2. दो लोकवाद्य
7. देवार, बेड़नी, बैगा, गोड़ जनजातियों में प्रचलित लोक सांगीतिक परम्परा का सामान्य अध्ययन ।

बी.पी.ए.- प्रथम वर्ष
लोकसंगीत (सहायक विषय)
प्रायोगिक

पूर्णांक -100

Credit –6 बाह्य मूल्यांकन - 70/25
समय - आंतरिक मूल्यांकन - 30/11

1. पांच स्वर अलंकारो का अभ्यास तथा प्रस्तुति ।
2. छत्तीसगढ़ के संस्कार लोक गीतों का गायन।
3. मध्यप्रदेश के पांच लोक गीतों का गायन।
4. छत्तीसगढ़ के सुवा, डंडा, मंडला करमा, चटकोला, राऊत लोक नृत्यों का प्रदर्शन ।
5. छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के लोकवाद्यों के वादन का अभ्यास।
6. उपर्युक्त लोकनृत्यों में बजने वाले तालों और ठेको का सामान्य ज्ञान

बी.पी.ए.- द्वितीय वर्ष
लोकसंगीत (सहायक विषय)
शास्त्र
लोकसंगीत का सामान्य परिचय

पूर्णांक -100

Credit – 6
समय - 3 घंटा

बाह्य मूल्यांकन - 70/25
आंतरिक मूल्यांकन - 30/11

1. लोक संगीत के इतिहास का सामान्य अध्ययन ।
2. आधुनिक जीवन में लोकसंगीत की उपयोगिता ।
3. भारतीय शास्त्रीय नृत्य और लोकनृत्य का संबंध।
4. पंजाब, राजस्थान में प्रचलित निम्नलिखित विधाओं का सामान्य अध्ययन

क्र. विधा	संख्या	क्र.विधा	संख्या
1. लोक गीत	– 02 (प्रत्येक राज्य से दो)	2.लोकनृत्य	– 02 (प्रत्येक राज्य से दो)
3. लोकवाद्य	– 02 (प्रत्येक राज्य से दो)		

5. लोकसंगीत से संबंधित किसी विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबंध लेखन
6. छत्तीसगढ़ प्रदेश का भौगोलिक एवं ऐतिहासिक परिचय ।
7. निम्न बिन्दुओं पर लोक संस्कृति का सामान्य ज्ञान-
   अ-रीति रिवाज, ब -उत्सव तीज त्यौहार एवं मान्यताएँ
8. धार्मिक एवं ऋतु उत्सव संबंधी लोकनृत्यों का अध्ययन।
9. लोकनृत्य एवं श्रम का पारस्परिक संबंध।
10. आंचलिक लोक कला शैलियों का सामान्य ज्ञान।

बी.पी.ए.- द्वितीय वर्ष
लोकसंगीत (सहायक विषय)
प्रायोगिक

पूर्णांक -100

Credit – 6
समय -

बाह्य मूल्यांकन - 70/25
आंतरिक मूल्यांकन - 30/11

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, राजस्थान के दो-दो लोक गीतों का गायन।
3. उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, राजस्थान के दो-दो लोक वाद्यों के वादन का अभ्यास।
4. निम्नलिखित लोक नृत्यों का पारम्परिक एवं व्यावहारिक ज्ञान ।
   1. मटकी नृत्य 2. घूमर नृत्य, 3. डंडा नृत्य 4. कोली, 5. ठिसकी, 6. बघेली करमा

बी.पी.ए.- तृतीय वर्ष
लोकसंगीत (सहायक विषय)
शास्त्र
लोकनृत्य से अन्य कला रूपों अन्मर्सम्बन्ध

पूर्णांक -100

बाह्य मूल्यांकन - 70/25
आंतरिक मूल्यांकन - 30/11

Credit – 6
समय - 3 घंटा

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. भारत के प्रमुख प्रतिनिधि लोकगीतों का अध्ययन।
3. व्यावसायिक लोकनृत्य का अध्ययन।
4. सामाजिक जीवन एवं लोकसंगीत का पारस्परिक संबंध।
5. लोक नृत्य एवं योग का संबध।
6. लोकनृत्य गीतों में बजने वाले लोकवाद्यों की ठेकों के जानकारी।
7. रस के अनुसार लोकगीत का अध्ययन।
8. लोकगीतों में लोक चेतना।
9. लोकनृत्य एवं लोकगीतों का महत्व एवं संरक्षण की आवश्यकता का अध्ययन।

बी.पी.ए.- तृतीय वर्ष
लोकसंगीत (सहायक विषय)
प्रायोगिक

पूर्णांक –100

बाह्य मूल्यांकन – 70/25
आंतरिक मूल्यांकन – 30/11

Credit – 6
समय –

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति
2. पंजाब, पश्चिम बंगाल, गुजरात, असम के दो-दो लोक गीतों का गायन।
3. पंजाब, पश्चिम बंगाल, गुजरात, असम के दो-दो लोक वाद्यों के वादन का अभ्यास।
4. निम्नलिखित लोक नृत्यों का पारम्परिक एवं व्यावहारिक ज्ञान ।
   1. गरबा, 2. डांडिया 3. बीहू 4. भांगड़ा 5. गिद्दा 6. परब
5. उपर्युक्त लोकनृत्यों में बजने वाले तालों और ठेको का सामान्य ज्ञान

25.5.2022

(पद रिक्त)
अधिष्ठाता
लोकसंगीत एवं कला संकाय

(डॉ. योगेन्द्र चौबे)
विभागाध्यक्ष
लोक संगीत विभाग

(डॉ. पीसीलाल यादव)
बाह्य सदस्य
गंडई

(डॉ.दीपशिखा पटेल)
सहायक प्राध्यापक
लोकसंगीत विभाग

Indira Kala Sangit Vishwavidyalaya
Bharatanatyam Dance

Bharatanatyam Dance BPA First Year

Course 1 (Theory) BDB – 101
An Introduction of Bharatanatyam

Marks: 100 **(Internal – Max: 30; Min: 11)**
Credit: 04 **(External – Max: 70; Min: 25)**

Unit 1

a) Origin, History and Development of Bharatanatyam.
b) Study of basic postures of Bharatanatyam – Aramandi, Muzhumandi, Sama.

Unit 2

a) Study of the terms – Adavu, Korvai, Teermanam (Jathi).
b) Significance of Nataraj.

Unit 3

a) Brief knowledge of the first four items of Bharatanatyam Margam (repertoire) – Alaripu, Jatiswaram, Shabdam, Varanam.
b) Brief knowledge of the items of Bharatanatyam Margam (repertoire) – Padam, Keertanam, Ashtapadi, Javali, Tillana.

Unit 4

Life sketches: Mylapore Gauri Amma, Rukmini Devi Arundale, Bala Saraswati.

Unit 5

a) Knowledge of the makeup, costume and decoration of a Bharatanatyam dancer (male and female).
b) Knowledge of the accompanying instruments of Bharatanatyam – Mridangam, Veena, Violin and Flute.

Prof. Dr. Neeta Gaharwar
Dean, Faculty of Dance
HoD Bharatanatyam
Chairman

Shekh Medini Hombal
Asst. Prof. Bharatanatyam
Member

Dr. Sushma Mishra
Dance Director, Shyamal Academy
Subject Expert Bharatanatyam

Bharatanatyam Dance BPA First Year

Course 2 (Theory) BDB – 102
Theoretical and Practical Aspects of Bharatanatyam and related Topics – 1

Marks: 100 **(Internal – Max: 30; Min: 11)**
Credit: 04 **(External – Max: 70; Min: 25)**

Unit 1

a) Benefits of learning dance with special reference to Bharatanatyam.
b) Study of the terms Natya, Nritta, Nritya.

Unit 2

a) Introduction of the term Tala and knowledge of the Sapta Tala (7 basic Tala) of South Indian Tala system with their Angas and Symbols.
b) Study of the technical terms of Tala: Laya, Jaati, Gati, Graha, Aavartan.

Unit 3

a) Knowledge of Arangettram and its importance in Bharatanatyam.
b) General introduction of the term Nattuvanar and their role in Bharatanatyam recital.

Unit 4

Study of the following Shlokas from Abhinaya Darpana: Dhyan Shloka/ Namaskriya and main Shlokas of Shiro Bheda, Drishti Bheda, Greeva Bheda, Asamyuta Hasta and Samyuta Hasta.

Unit 5

Notation of Alaripu learnt in syllabus in Tala and the following Adavus in Vilambita, Madhya and Druta Layas (three speeds) – Tatta Adavu, Natta Adavu, Paraval (Ta Tai Tai Tat) Adavu, Kudittumetti Adavu and Pakka (Tat Tai Taha) Adavu, and Teermanam Adavu.

Bharatanatyam Dance BPA First Year

Course 3 (Practical) BDB – 103
Presentation – 1

Marks: 100 **(Internal – Max: 30; Min: 11)**
Credit: 08 **(External – Max: 70; Min: 25)**

1. Presentation of all the Adavus (basic steps) in Vilambita, Madhya and Druta Laya (three speeds/ Kaalas).
2. Alaripu – one.
3. Demonstration of the Dhyan Shloka/ Namaskriya and the main Shloka of Shiro Bheda according to Abhinaya Darpan.
4. Demonstration of the main Shlokas of Drishti Bheda, Greeva Bheda according to Abhinaya Darpan.
5. Demonstration of the main Shloka of Asamyuta Hasta according to Abhinaya Darpan.
6. Demonstration of Samyuta Hasta with main Shloka according to Abhinaya Darpan.

Bharatanatyam Dance BPA First Year

Course 4 (Practical) BDB – 104
Viva – 1

Marks: 100 **(Internal – Max: 30; Min: 11)**
Credit: 08 **(External – Max: 70; Min: 25)**

1. Basic Exercises.
2. Rendering the Sapta Tala of South Indian Tala system in Chaturasra Jaati (Vilambita, Madhya & Druta Laya).
3. Rendering the following Adavus with Tala in Vilambita, Madhya and Druta Laya (three speeds) – Tatta Adavu, Natta Adavu, Paraval (Ta Tai Tai Tat) Adavu, Kudittumetti Adavu and Pakka (Tat Tai Taha) Adavu, and Teermanam Adavu.
4. Rendering Alaripu in Tala.

Bharatanatyam Dance BPA Second Year

Course 1 (Theory) BDB – 201
A Study of Bharatanatyam and Related Topics – 1

Marks: 100 **(Internal – Max: 30; Min: 11)**
Credit: 04 **(External – Max: 70; Min: 25)**

Unit 1

Study of the Banis (schools) of Bharatanatyam – Tanjore, Mysore, Pandanallur, Vazhuvur, Kalakshetra.

Unit 2

Study of:

a) Importance of Guru Shishya Parampara in Bharatanatyam.
b) Natyotpatti Katha according to Abhinaya Darpan with Shlokas.

Unit 3

Life sketches: Pandanallur Sri. Meenakshi Sundaram Pillai, Sri. Muthukumar Pillai, Vazhuvoor Ramaiyya Pillai.

Unit 4

c) Tandava and its varieties.
d) Lasya and its varieties.

Unit 5

Shlokas from Abhinaya Darpan with their meaning – Pushpanjali, Rangadhidevata Stuti, Kinkini Lakshana, Natyarambha Vidhi.

Prof. Dr. Neeta Gaharwar
Dean, Faculty of Dance
HoD Bharatanatyam
Chairman

Shekh Medini Hombal
Asst. Prof. Bharatanatyam
Member

Dr. Sushma Mishra
Dance Director, Shyamal Academy
Subject Expert Bharatanatyam

Bharatanatyam Dance BPA Second Year

Course 2 (Theory) BDB – 202
Theoretical and Practical Aspects of Bharatanatyam and related topics – 2

Marks: 100 **(Internal – Max: 30; Min: 11)**
Credit: 04 **(External – Max: 70; Min: 25)**

Unit 1

Study of Abhinaya and its four varieties – Angika, Vachika, Aharya, Sattwika.

Unit 2

Study of:

a) South Indian Tala System with Jaati & Gati Bhedas.
b) North Indian Tala System.
c) Tala Dasha Prana.

Unit 3

Religious stories related to or presented in dance:

a) Maharasa of Krishna.
b) Vishnu as Mohini in Amrit Manthan.
c) Sita Swayamvara.

Unit 4

Shlokas from Abhinaya Darpan: Main Shlokas of Nritta Hasta, Pada Bheda and Mandala Bheda and Viniyogas of Asamyuta Hastas from Patak to Katakamukha with Shlokas and meaning.

Unit 5

Notation of Pushpanjali, Kautuvam, Jatiswaram and Shabdam (jathis/teermanams, korvais and songs) learnt in syllabus with Tala.

Prof. Dr. Neeta Gaharwar
Dean, Faculty of Dance
HoD Bharatanatyam
Chairman

Shekh Medini Hombal
Asst. Prof. Bharatanatyam
Member

Dr. Sushma Mishra
Dance Director, Shyamal Academy
Subject Expert Bharatanatyam

Bharatanatyam Dance BPA Second Year

Course 3 (Practical) BDB – 203
Presentation – 2

Marks: 100 **(Internal – Max: 30; Min: 11)**
Credit: 08 **(External – Max: 70; Min: 25)**

1. Pushpanjali – one
2. Kautuvam – one.
3. Jatiswaram – one
4. Shabdam – one.
5. Demonstration of the Viniyogas of Asamyuta Hastas from Patak to Katakamukha with Shlokas and meaning according to Abhinaya Darpan.
6. Demonstration of the main Shloka of Nritta Hasta, Pada Bheda and Mandala Bheda according to Abhinaya Darpan.

Bharatanatyam Dance BPA Second Year

Course 4 (Practical) BDB – 204
Viva – 2

Marks: 100 **(Internal – Max: 30; Min: 11)**
Credit: 08 **(External – Max: 70; Min: 25)**

1. Revision of First Year (Course 3 & 4).
2. Rendering Pushpanjali & Jatiswaram (jathis/ teermanams, korvais and songs) learnt in syllabus with Tala.
3. Rendering Kautuvam and Shabdam (jathis/ teermanams, korvais and songs) learnt in syllabus with Tala.
4. Ability to explain the meanings of the songs learnt in syllabus with clarity.
5. Ability to play Tattadavu,Nattadavu Paraval (Ta Tai Tai Tat) Adavu, Kudittumetti Adavu & Teermanam Adavu with Tattakazhi (stick).

Bharatanatyam Dance BPA Third Year

Course 1 (Theory) BDB – 301
Knowledge of Indian Dance and related Topics – 1

Marks: 100 **(Internal – Max: 30; Min: 11)**
Credit: 04 **(External – Max: 70; Min: 25)**

Unit 1

Study of -

a) Devadasi tradition in Bharatanatyam.
b) Life sketches: Tanjore Quartette Brothers – Chinnaiyya, Ponnaiyya, Shivanandam, Vadivelu.

Unit 2

Study of the following from Natyashastra:

a) Lokadharmi & Natyadharmi.
b) Natyotpatti Katha.
c) Vritti & Pravritti

Unit 3

Brief study of Classical Dances: Kathakali, Mohiniattam, Kuchipudi.

Unit 4

Study of Folk Theatre traditions of South India: Yakshagana, Kuruvanji, Bhagvatmela.

Unit 5

Shlokas from Abhinaya Darpan with meaning – Patra Lakshana, Patra Antah Prana, Varjaneeya Patra.

Prof. Dr. Neeta Gaharwar
Dean, Faculty of Dance
HoD Bharatanatyam
Chairman

Shekh Medini Hombal
Asst. Prof. Bharatanatyam
Member

Dr. Sushma Mishra
Dance Director, Shyamal Academy
Subject Expert Bharatanatyam

Bharatanatyam Dance BPA Third Year

Course 2 (Theory) BDB – 302
Theoretical and Practical Aspects of Dance and related topics – 1

Marks: 100 **(Internal – Max: 30; Min: 11)**
Credit: 04 **(External – Max: 70; Min: 25)**

Unit 1

Study of: Bhava and Rasa, with their varieties.

Unit 2

Study of the following:

a) General introduction of 72 Melakarta Ragas of South Indian Music System.
b) Life Sketch of Musical Trinities – Tyagaraja, Shyama Shastri and Mutthu Swami Dixitar

Unit 3

Religious Stories related to or presented in Dance:

a) Vishnu as Mohini in Mohini – Bhasmasura.
b) Krishna in Kaliya Mardan.
c) Sita Harana/ Jatayu Moksham.

Unit 4

Shlokas from Abhinaya Darpan: Main Shlokas of Sthanak Bheda, Utplavana Bheda, Bhramari Bheda, Chari Bheda and the Viniyogas from Soochi to Trishula Asamyuta Hastas with Shlokas and meaning.

Unit 5

Notation of Padam, Keertanam Bhajan & Tillana (jathis/teermanams, korvais and songs) learnt in syllabus with Tala.

Bharatanatyam Dance BPA Third Year

Course 3 (Practical) BDB – 303
Presentation – 3

Marks: 100 **(Internal – Max: 30; Min: 11)**
Credit: 08 **(External – Max: 70; Min: 25)**

1. Padam – one.
2. Keertanam – one.
3. Bhajan – one
4. Tillana – one
5. Demonstration of the Viniyogas from Soochi to Trishula Asamyuta Hastas with Shlokas and meaning according to Abhinaya Darpan.
6. Demonstration of the main Shlokas of Sthanak Bheda, Utplavana Bheda, Bhramari Bheda and Chari Bheda with Shlokas according to Abhinaya Darpan.

Bharatanatyam Dance BPA Third Year

Course 4 (Practical) BDB – 304
Viva – 3

Marks: 100 **(Internal – Max: 30; Min: 11)**
Credit: 08 **(External – Max: 70; Min: 25)**

1. Revision of Second Year (Course 3 & 4).
2. Complete presentation of any one item of own choice (10 mins).
3. Rendering Padam & Keertanam (jathis/teermanams, korvais and songs) learnt in syllabus with Tala.
4. Rendering Bhajan & Tillana (jathis/ teermanams, korvais and songs) learnt in syllabus with Tala.
5. Ability to explain the meaning of the songs learnt in syllabus with clarity.
6. Ability to render Alaripu and Jatiswaram with Tattakazhi (stick).

Bharatanatyam Dance BPA Fourth Year

Course 1 (Theory) BDB – 401
Knowledge of Indian Dance and related Topics – 2

Marks: 100 **(Internal – Max: 30; Min: 11)**
Credit: 04 **(External – Max: 70; Min: 25)**

Unit 1

Study of the following:

a) Acharya Bharat and his Granth Natyashastra.
b) Jayadeva and Geet Govinda.
c) Acharya Nandikeshwara and his Granth Abhinaya Darpan.

Unit 2

Life sketch and contribution of the following Gurus in the field of Bharatanatyam :– Guru Mrinalini Sarabhai, Guru Padma Subramaniam and Guru Yamini Krishnamurthy.

Unit 3

Brief study of Classical Dances: Kathak, Odissi, Manipuri, Sattriya.

Unit 4

Study of Folk Dances of South India: Kummi, Kolattam, Karaghattam.

Unit 5

Essay on general topics related to dance.

Prof. Dr. Neeta Gaharwar
Dean, Faculty of Dance
HoD Bharatanatyam
Chairman

Shekh Medini Hombal
Asst. Prof. Bharatanatyam
Member

Dr. Sushma Mishra
Dance Director, Shyamal Academy
Subject Expert Bharatanatyam

Bharatanatyam Dance BPA Fourth Year

Course 2 (Theory) BDB – 402
Theoretical and Practical Aspects of Dance and related topics – 2

Marks: 100 **(Internal – Max: 30; Min: 11)**
Credit: 04 **(External – Max: 70; Min: 25)**

Unit 1

Study of: Nayak and Nayika Bhedas, with their varieties.

Unit 2

Study of:

a) The Relation of Dance with other Fine Arts – Music, Painting, Sculpture, Drama and Literature.
b) Contribution of Kings and Temples in promotion of Bharatanatyam.

Unit 3

Religious Stories related to or presented in Dance:

a) Draupadi Vastraharana.
b) Shiva Meenakshi Kalyanam.
c) Rukmini Kalyanam.

Unit 4

Shlokas from Abhinaya Darpan: Viniyogas of Samyuta Hastas from Anjali to Bherunda Hasta and Sthanak Pada Bhedas with Shlokas and their meaning.

Unit 5

Notation of Varnam, Ashtapadi, Javali and Keertanam/Padam/Tillana (jathis/teermanams, korvais and songs) learnt in syllabus with Tala.

Prof. Dr. Neeta Gaharwar
Dean, Faculty of Dance
HoD Bharatanatyam
Chairman

Shekh Medini Hombal
Asst. Prof. Bharatanatyam
Member

Dr. Sushma Mishra
Dance Director, Shyamal Academy
Subject Expert Bharatanatyam

Bharatanatyam Dance BPA Fourth Year

Course 3 (Practical) BDB – 403
Presentation – 4

Marks: 100 **(Internal – Max: 30; Min: 11)**
Credit: 08 **(External – Max: 70; Min: 25)**

1. Varnam – one
2. Ashtapadi – one.
3. Javali – one.
4. Keertanam /Padam/Tillana – one.
5. Ability to choreograph one Korvai in Adi Tala and one in Rupak Tala.
6. Demonstration of the Viniyogas of Samyuta Hastas from Anjali to Kartariswastika Hasta with Shlokas and their meaning according to Abhinaya Darpan.
7. Demonstration of the Viniyogas of Samyuta Hastas from Shakatam to Bherunda Hasta wih Shlokas and their meaning according to Abhinaya Darapn.
8. Demonstration of the Viniyogas of Sthanaka Pada Bheda with Shlokas and their meaning according to Abhinaya Darpan.

Bharatanatyam Dance BPA Fourth Year

Course 4 (Practical) BDB – 404
Viva – 4

Marks: 100 **(Internal – Max: 30; Min: 11)**
Credit: 08 **(External – Max: 70; Min: 25)**

1. Revision of Third Year (Course 3 & 4).
2. Complete presentation of any one item of own choice (10 mins).
3. Ability to explain the meaning of the songs learnt in syllabus with clarity.
4. Rendering Varnam and Ashtapadi (jathis, korvais and songs) learnt in syllabus with Tala.
5. Rendering Javali and Keertanam/Padam/Tillana (jathis/teermanams, korvais and songs) learnt in syllabus with Tala.
6. Ability to render Shabdam and Varnam with Tattakazhi.

Bharatanatyam Dance BPA Fourth Year

Course 5 (Practical) BDB – 405
Stage Presentation

Marks: 100 **(Internal – Max: 30; Min: 11)**
Credit: 06 **(External – Max: 70; Min: 25)**

Choice of any two items Comprising Nritta and Abhinaya / Varnam learnt in all the previous years to be performed on stage by the students in front of the audiences. (max time 15 mins.)

Prof. Dr. Neeta Gaharwar	**Shekh Medini Hombal**	**Dr. Sushma Mishra**
Dean, Faculty of Dance	**Asst. Prof. Bharatanatyam**	**Dance Director, Shyamal Academy**
HoD Bharatanatyam	**Member**	**Subject Expert Bharatanatyam**
Chairman		

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छ.ग.)

आजीवन शिक्षा विभाग

Department of Lifelong Learning

शिक्षण कौशल

Teaching Skills

स्नातक स्तर-बी.पी.ए., बी.एफ.ए., वार्षिक परीक्षा, तृतीय वर्ष

Graduation Level- B.P.A., B.F.A., Annual Exam., Third year

केडिट-4 (1 केडिट =15 घंटे) पूर्णांक-100

Credit-4 (1 credit=15 Hours) Maximum Marks- 100

इकाई-1

Unit-1

शिक्षण की संकल्पना

Concept of Teaching

1- शिक्षण : एक कला या विज्ञान ?

Teaching : An Art or Science ?

2- शिक्षण और अधिगम (सीखना)

Relationship between teaching and learning.

3- शिक्षण की अवधारणा का विश्लेषण : जानबूझकर नियोजित प्रक्रिया के रूप में शिक्षण : शिक्षण कौशन के संदर्भ में विश्लेषण ।

Analysis of the concept of teaching : Teaching as a deliberately planned process; Analysis in terms of teaching skills.

4- शिक्षण की अवस्थाएं : पूर्व-क्रिया अवस्था (प्री-एक्टिव स्टेज), अन्तःक्रिया अवस्था (इंटरेक्टिव स्टेज) और उत्तर-क्रिया अवस्था (पोस्ट-एक्टिव स्टेज) तथा उनमें शिक्षक की भमिका ।

Stages (Phases) of teaching : Pre-active stage, Inter-active stage and Post-active stage and teacher's role in them.

5- शिक्षण और अधिगम .

Teaching and learning.

इकाई-2

Unit-2

संप्रेषण तकनीक और कक्षा कक्ष अनुदेशन में शिक्षण कौशल

Communication Technology and Teaching Skills in Classroom Instructions

1- सम्प्रेषण का सम्प्रत्यय (अवधारणा).

Concept of Communication.

2- सम्प्रेषण की प्रकृति एवं विशेषताएं .

Nature and Characteristics of Communication.

3- सम्प्रेषण की प्रकिया.

Process of Communication.

4- सम्प्रेषण प्रकिया के तत्व.

Elements of Communication.

5- सम्प्रेषण के प्रकार.

Types of Communication.

6- सम्प्रेषण में बाधाएं .

Barriers in Communication.

7- विशिष्ट संदर्भ के साथ कक्षा कक्ष शिक्षण में कौशल का उद्देश्य, घटक और उपयोग :
Purpose, Components and Use of Skills in Classroom Teaching with Specific Reference to :

(1)- पाठ की प्रस्तावना.

Ways of Introducing a Topic.

(2)- प्रभावी प्रश्नों की प्रवाहशीलता.

Employing effective questioning.

(3)- उदाहरणों के साथ दृष्टांत देना .

Illustrating with examples.

(4)- विभिन्न प्रकार की व्याख्या करना .

Making different types of explanation .

(5)- छात्र प्रतिक्रियाओं को पुनर्बलन देना .

Re-inforcing student responses.

(6)- उद्दीपन परिवर्तन.

Making variations in stimulus.

(7)- कक्षा कक्ष अधिगम प्रबन्ध .

Managing classroom learning.

(8)- पाठ समाप्ति का तरीका.

Ways of closing a lesson.

(9)- शिक्षण कौशन का मूल्यांकन.

Evaluation of teaching skills.

इकाई-3
Unit-3
शिक्षण रणनीतियां, विधि और शिक्षण सामग्री
Teaching Strategies, Mathods and Aids

1- शिक्षण रणनीति, अर्थ, परिभाषा और इसकी विशेषताएं .

Teaching Strategies, meaning, definition, and its characteristics.

2- शिक्षण रणनीतियों का वर्गीकरण .

Classification of teaching Strategies.

3- विभिन्न शिक्षण रणनीतियां : अनुवर्ग (ट्यूटोरियल), मस्तिष्क विप्लव (तूफान), पात्र अभिय (रोल प्ले) एवं वार्तालाप (चर्चा) .

Various types of teaching Strategies : Tutorials, Brain Storming, Role Play and Discussion.

4- शिक्षण विधियां .

Teaching Methods.

5- शिक्षण तकनीक और युक्तियां.

Teaching techniques and tactics.

6- शिक्षण कौशल में दृश्य-श्रव्य सामग्री- अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य, आवश्यकता तथा महत्व

Audio-Visual Aids in teaching skills- Meaning, Definitions, Objectives, Need and Importance.

7- श्रव्य-दृश्य सामग्री का वर्गीकरण

Classification of Audio-Visual Aids.

(1)- इन्द्रियों के आधार पर-

Based on the use of Senses-

(i) श्रव्य सामग्री - Audio Aids.

(ii) दृश्य सामग्री - Visual Aids.
(iii) श्रव्य-दृश्य सामग्री - Audio-Visual Aids.

(2)- प्रौद्योगिकी/तकनीकी के आधार पर-

Based on Technology-

(i) सॉफ्टवेयर - Software
(ii) हार्डवेयर - Hardware

(3)- प्रक्षेपण के आधार पर-

Based on Projection-

(i) प्रक्षेपित सामग्री - Projected Aids
(ii) अप्रक्षेपित (गैर-प्रक्षेपित) सामग्री - Non-Projected Aids

8- शिक्षण में उपयोगी श्रव्य-दृश्य सामग्री-

Useful Audio-Visual Aids in Teaching-

(1)- श्याम पट (चाक बोर्ड)

Black Board (Chalk Board)

(2)- वास्तविक पदार्थ (प्रत्यक्ष वस्तुएं)

Real Objects

(3)- प्रतिमान (मॉडल)

Models

(4)- टेप-रिकार्डर

Tape-Recorder

(5)- रेडियो (ट्रांजिस्टर)

Radio (Transister)

(6)- टेलीविजन

Television

(7)- कंप्यूटर

Computer

Unit-4

कला प्रदर्शन, ललित कलाएं, बी.वोक. डिजाईन एवं विरासत शिल्प

Performing Arts, Fine Arts, B. Voc. Design and Heritage Crafts

1- शिक्षण कौशल एवं नाटक : अधिगम (सीखना) के एक उपकरण के रूप में नाटक, नाटक के विभिन्न रूप, शैक्षणिक और सामाजिक परिवर्तन के लिए नाटक का उपयोग, सड़क के खेल, पाठ का नाटकीयकरण

Teaching Skills and Drama : Drama as a tool of learning, Different forms of drama, Use of drama for educational and social change, Street Play, Dramatization of a lesson.

2- कक्षा में नाटक तकनीकों का उपयोग : आवाज, भाषण, माइम और हरकत, इंप्रोव, अवलोकन का कौशल, अनुकरण (नकल) और प्रस्तुति.

Use of drama techniques in the classroom : Voice, Speech, Mime and Movements, Improve. Skills of Observation. Imitation and Presentation.

3- गायन और वादन : सुर, ताल एवं लय, सरगम, कविताएं और प्रार्थनाएं, नृत्य के विविध रूप जैसे- भरतनाट्यम, कथकली, नृत्य नाट्य, लोकगीत, लोकनृत्य- गरबा, भवाई एवं भांगड़ा

Gayan and Vadan : Sur, Taal and Laya, Sargam, Poems and Prayers, Various dnace forms like Bharatnatyam, Kathakali, Nritya Natya, Folk songs, Folk Dance- Garba, Bhavai and Bhangra.

4- स्ट्रोक्स (कलम या पेंसिल के आघात से निर्मित लकीर) एवं स्केचिंग (त्वरित रेखांकन) : चित्रकला के विभिन्न रूपों, विविध साधनों एवं परिप्रेक्ष्य को समझना : वर्ली कला, मधुबनी कला, ग्लास पेंटिंग, फेब्रिक पेंटिंग, शिक्षा में ड्राइंग एवं चित्रकला का उपयोग : चार्ट मेकिंग, पोस्टर मेकिंग, मैच स्टिक ड्राइंग एवं अन्य रूप.

Strokes and Sketching : Understanding of various means and perspectives, different forms of painting : Worli Art, Madhubani Art, Glass Painting, Fabric Painting, Use of Drawing and Painting in Education : Chart making, Poster making, Match stick drawing and other forms.

5- रचनात्मक लेखन : लेखन, कविता लेखन, सजावटी कला, रंगोली, इकेबाना, दीवार पेंटिंग, शिक्षा में विभिन्न कला रूपों का उपयोग.

Creative Writing : Writing, Poem Writing, Decorative Art, Rangoli, Ikebana, Wall painting, Use of different Art forms in education.

6- भारत की शिल्प परम्पराओं का परिचय : विभिन्न शिल्पों का विवरण, उनका वर्गीकरण, क्षेत्रीय वितरण इत्यादि के सम्बन्ध में विवरण । मृदा शिल्प, पत्थर शिल्प, धातु शिल्प, आभूषण, प्राकृतिक फाइबर (रेशे) बुनाई एवं कपड़ा बुनाई.

Introduction to the crafts traditions of India : Details about the different crafts, their classification, regional distribution etc. Clay work, Stone crafts, Metal crafts, Jewellery, Natural fibre weaving and Textile weaving.

इकाई-5

Unit-5

शिक्षण कौशल, तकनीक और शैक्षिक तकनीकी में नवाचार

Teaching skills, Techniques and Innovations in Educational Technology

1- बहुमाध्यम उपागम (मल्टीमीडिया एप्रोच)

Multimedia Approach.

2- इंटरनेट

Internet.

3- आंकिक संगीत (डिजिटल म्यूजिक)

Digital Music.

4- आंकिक संपादन (डिजिटल एडिटिंग)

Digital Editing.

5- आंकिक सृजनशीलता (डिजिटल क्रिएटिविटी)

Digital Creativity.

6- कम्प्यूटर सहायक अनुदेशन (कम्प्यटर असिस्टेड इंस्ट्रक्शन-सी ए आई)

Computer Assisted Instruction (C A I)

7- सैटेलाइट सम्प्रेषण

Satellite Communication.

8- कम्प्यूटर नेटवर्किंग

Computer Networking.

टीप-अंक पैटर्न

Note- Number Pattern

वार्षिक परीक्षा पूर्णांक Annual Exam. Max. Marks		100
बाह्य मूल्यांकन-लिखित परीक्षा External Evaluation- Written Exam.		70
आंतरिक मूल्यांकन (लिखित-10+प्रोजेक्ट वर्क-10+वायवा-10) Internal Evaluation- (Written-10+Project work-10+Viva-10)		30

प्रस्तावित पाठ्य सामग्री :

Recommended reading material :

- Adam, DM, Computer and Teacher Training : A Practical Guide, The Howorth Press Inc. NYC, 1985.
- Behara SC, Educational Television Programmes Deep and Deep Publication, New Delhi. 1991.
- Gupta, Nandini and Sharma, Saroj : Educational Technology and Classroom management, 2002.
- Information and communication Technology in education : A Curriculum for school and Programmes of teacher development : Jonatham Aderson and Tom Van Weert : UNESCO, 2002.
- Jangira N,K, and Ajit Singh (1982), Core Teaching Skills : The Microteaching.
- Kumar Akhilesh, Drama and Art Education, Vardhman Mahavir Open University, Kota.
- Kumar K.L. (1996), Educational Technology : New Age International (p) Ltd., Publishers, New Delhi
- Kulshreshtha S.P. : Fundamentals of Educational Technology, 1982
- Kulshreshtha, S.P. and Dr. Kulshreshtha, A.K. Foundations of Educational Technology.
- कुलश्रेष्ठ, एस.पी. एवं सिंघल, अनुपमा, शैक्षिक तकनीकी के मूल आधार, 2014-15.
- पाठक, पी.डी. एवं त्यागी, जी.एस. - सफल शिक्षण-कला, 2012,
- शर्मा आर.के. एवं शर्मा, नीतू शिक्षा में कला एवं नाटक-नृत्य एवं संगीत सहित, राधा प्रकाशन प्रकाशन, 2016
- शर्मा, आर.ए., : शिक्षा के तकनीकी आधार, आर. लाल बुक डिपो, 2009.

07/08/23

07-08-2023

(प्रो.डॉ. आई.डी. तिवारी)
प्रोफेसर-अंग्रेजी विभाग
इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय
खैरागढ़
विशेष आमंत्रित सदस्य

(डॉ. तृषा शर्मा)
प्राध्यापक-शिक्षा विभाग
एम.जे. कालेज, जुनवानी रोड
भिलाई
बाहय विशेषज्ञ-सदस्य

(प्रो.डॉ. काशी नाथ तिवारी)
विभागाध्यक्ष-आजीवन शिक्षा एवं
अधिष्ठाता-कला संकाय
इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय
अध्यक्ष

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छत्तीसगढ़)

आजीवन शिक्षा विभाग

विश्वविद्यालय परिनियम-33 के अनुसार कला संकाय के अन्तर्गत आजीवन शिक्षा विभाग द्वारा स्नातक स्तर पर संचालित विषय-व्यक्तित्व विकास का वार्षिक पाठ्यक्रम तैयार करने हेतु आहूत की गई अध्ययन मण्डल की बैठक दिनांक 27.07.2023 का **कार्यविवरण** –

बैठक में उपस्थित सदस्य –

1–	प्रो.डॉ. काशी नाथ तिवारी, विभागाध्यक्ष-आजीवन शिक्षा विभाग एवं अधिष्ठाता-कला संकाय, इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़	–	अध्यक्ष
2–	प्रो.डॉ. उषा किरण अग्रवाल, प्राध्यापक-मनोविज्ञान विभाग शास. ब. दू. स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, रायपुर	–	बाह्य विशेषज्ञ-सदस्य
3–	प्रो.डॉ. मृदुला शुक्ल, प्राध्यापक-हिन्दी विभाग इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़	–	विशेष आमंत्रित सदस्य

कला संकाय के अन्तर्गत आजीवन शिक्षा विभाग द्वारा स्नातक स्तर पर संचालित विषय- व्यक्तित्व विकास की वार्षिक परीक्षा का पाठ्यक्रम तैयार किया गया । विश्वविद्यालय द्वारा वार्षिक पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं । अतः व्यक्तित्व विकास विषय में सेमेस्टर पाठ्यक्रम से वार्षिक पाठ्यक्रम में बदलाव किये जाने हेतु अध्ययन मंडल की बैठक आयोजित की गई । पाठ्यक्रम तैयार किये जाने हेतु अन्य विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम का भी अवलोकन किया गया । बाह्य विषय विशेषज्ञ, अध्यक्ष एवं सभी सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बैठक सम्पन्न हुई ।

27-07-23
(प्रो.डॉ. मृदुला शुक्ल)
प्रोफेसर-हिन्दी विभाग
इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय
खैरागढ़
विशेष आमंत्रित सदस्य

27/7/2023
(प्रो.डॉ. उषा किरण अग्रवाल)
प्राध्यापक-मनोविज्ञान विभाग
शास.ब.दू. स्नातकोत्तर कन्या महा.
रायपुर
बाह्य विशेषज्ञ-सदस्य

27.7.2023
(प्रो.डॉ. काशी नाथ तिवारी)
विभागाध्यक्ष-आजीवन शिक्षा एवं
अधिष्ठाता-कला संकाय
इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय
अध्यक्ष

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छ.ग.)

आजीवन शिक्षा विभाग

Department of Lifelong Learning

व्यक्तित्व विकास

Personality Development

स्नातक स्तर–बी.पी.ए., बी.एफ.ए., वार्षिक परीक्षा, तृतीय वर्ष

Graduation Level- B.P.A., B.F.A., Annual Exam., Third year

केडिट–4 (1 केडिट =15 घंटे) पूर्णांक–100

Credit-4 (1 credit=15 Hours) Maximum Marks- 100

इकाई–1

Unit-1

व्यक्तित्व एवं व्यक्तित्व के निर्धारण

Personality and Determinants of Personality

1– व्यक्तित्व : व्यक्तित्व का अर्थ, व्यक्तित्व के सैद्धांतिक उपागम–

(1) प्रकार उपागम : एक सामान्य व्याख्या .

(2) शीलगुण उपागम : एक सामान्य व्याख्या .

Personality : Meaning of Personality, Theoretical Approaches to Personality –

(1) Type Approach : A General Interpretation.

(2) Trait Approach : A General Interpretation.

2– संस्कृति, लिंग, आनुवंशिकता एवं वातावरण .

Culture, Gender, Heredity and Enviornment.

3– व्यक्तित्व के निर्धारक :

(1) व्यक्तित्व के जैविक निर्धारक (गोचर)

(2) व्यक्तित्व के मनोवैज्ञानिक निर्धारक

(3) व्यक्तित्व के पर्यावरणीय निर्धारक

Determinants of Personality :

(1) Biological Determinants (Foundations) of Personality.

(2) Psychological Determinants of Personality.

(3) Environmental Determinants of Personality.

4– व्यक्तित्व पर परिस्थितियों का प्रभाव .

Impact of Situations on Personality.

इकाई-2
Unit-2

व्यक्तित्व का विकास एवं विकासात्मक सम्प्रत्यय
Development of Personality and Developmental Concepts

1- व्यक्तित्व का विकास : व्यक्तित्व विकास का अर्थ, व्यक्तित्व विकास के अध्ययन की विधियां .

Development of Personality : Meaning of Personality Development, Methods of studying of Personality Development.

2- संज्ञानात्मक विकास

Cognitive Development

3- संवेगात्मक विकास

Emotional Development

4- नैतिक विकास

Moral Development

इकाई-3
Unit-3

मानव विकास के क्षेत्र एवं विकास की अवस्थाएं
Domains of Human Developments and Stages of Development

1- मानव विकास के क्षेत्र

Domains of Human Development.

2- फ्रायड की विकास अवस्थायें

Freudian Stages of Development.

3- एरिकसन की विकास अवस्थायें .

Erickson's Stages of Development.

4- युंग की विकास अवस्थायें .

Jung's Stages of Development.

इकाई-4

Unit-4

व्यक्तित्व का भारतीय सिद्धांत एवं आत्म सम्प्रत्यय

Indian Theory of Personality and Self Concept

1- व्यक्तित्व एवं भारतीय उपागम .

Personality and Indian Approach.

2- भारतीय विचार में आत्म एवं पहचान .

Self and Identity in Indian Thought.

3- आत्म उद्भव : आत्म की विशेषताएं, आत्म की उत्पत्ति एवं विकास, आत्म की उत्पत्ति एवं विकास के आधार .

Emergence of Self : Characteristics of Self, Origin and Development of Self, Base of Origin and Development of Self.

4- व्यक्तिगत पहचान शक्ति का विकास .

Development of Personal Identity Strength.

5- भाषा विकास .

Language Development.

इकाई-5

Unit-5

क्षमता वर्धन

Enhancing Potential

1- व्यक्ति में क्षमता वर्धन के उपागम .

Enhancing Individual's Potential Approach.

2- संज्ञानात्मक क्षमता वर्धन के उपाय .

Ways of Enhancing Cognitive Potential .

3- सृजनशीलता का निर्माण

Fostering Creativity.

4- व्यक्तित्व की शक्तियां एवं दुर्बलतायें .

Strengths and weakness of Personality.

टीप-अंक पैटर्न

Note- Number Pattern

वार्षिक परीक्षा पूर्णांक Annual Exam. Max. Marks	100
बाह्य मूल्यांकन-लिखित परीक्षा External Evaluation- Written Exam.	70
आंतरिक मूल्यांकन (लिखित-10+प्रोजेक्ट वर्क-10+वायवा-10) Internal Evaluation- (Written-10+Project work-10+Viva-10)	30

प्रस्तावित पाठ्य सामग्री :

Recommended reading material :

- विकासात्मक मनोविज्ञान- राजेन्द्र प्रसाद सिंह, जितेन्द्र कुमार उपाध्याय, राजेन्द्र सिंह, प्रकाशक- मोतीलाल बनारसीदास, 41 यू.ए. बंग्लो रोड, जवाहर नगर, दिल्ली-110007
- विकासात्मक मनोविज्ञान- डॉ. विमल अग्रवाल, प्रकाशक- एस.बी.पी.डी. पब्लिकेशन्स
- व्यक्तित्व का मनोविज्ञान- अरूण कुमार सिंह, आशीष कुमार सिंह
- Elizabeth B. Hurlock, Developmental Psychology.
- Ggardner Lindzey, Jojn B. Compbell Calvin S. Hall, Theories of Personality.
- Snyder. Positive Psychology. The Scientific and Practical Explorations of Human Strengths.

27-07-23

(प्रो.डॉ. मृदुला शुक्ल)
प्रोफेसर-हिन्दी विभाग
इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय
खैरागढ़
विशेष आमंत्रित सदस्य

27/7/2023

(प्रो.डॉ. [illegible] किरण अग्रवाल)
प्राध्यापक-मनोविज्ञान विभाग
शास.बि.दू. स्नातकोत्तर कन्या महा.
रायपुर
बाह्य विशेषज्ञ-सदस्य

27.7.2023

(प्रो.डॉ. काशी नाथ तिवारी)
विभागाध्यक्ष-आजीवन शिक्षा एवं
अधिष्ठाता-कला संकाय
इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय
अध्यक्ष